





भारत सरकार परमाणु ऊर्जा विभाग (पऊवि) भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (भापअ केंद्र) प्रशिक्षण विद्यालय

इंजीनियरिंग स्नातकों तथा विज्ञान स्नातकोत्तरों के लिए आमंत्रण

जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रमुख एवं अग्रणी क्षेत्रों में चुनौतियों का सामना करना पसंद करते हैं,

• जो नाभिकीय रिएक्टर, त्वरक और ईंधन चक्र प्रौद्योगिकियों के विस्तार कार्यक्रमों का हिस्सा बनना चाहते हैं,

• जो इंजीनियरिंग, भौतिकी, रासायनिकी, जैव विज्ञान अथवा भूविज्ञान के क्षेत्र में नवाचारी अनुसंधान में रूचि रखते हैं।

भापअ केंद्र के अकादिमक कार्यक्रमों ओसीईएस-2024 तथा डीजीएफएस-2024 के माध्यम से वैज्ञानिक अधिकारी (भारत सरकार के ग्रुप-ए पद) के रूप में नियुक्ति के लिए इंजीनियरिंग स्नातकों तथा विज्ञान स्नातकोत्तरों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

प्रशिक्षण योजनाएं और रोज़गार विवरण

1. वर्ष 2024-2025 (ओसीईएस-2024) के लिए इंजीनियरिंग स्नातकों तथा विज्ञान स्नातकोत्तरों हेतु एक वर्षीय अभिमुखीकरण **पाठ्यक्रम**, भापअ केंद्र प्रशिक्षण विद्यालयों में संचालित किया जाएगा। तालिका-1 में चयनित अभ्यर्थियों को प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों/योजनाओं के साथ ओसीईएस विषयों और तत्संबंधी अर्हक डिग्री और पात्र गेट पेपर/विषय की सूची दी गई है। तालिका-2 में प्रत्येक प्रशिक्षण विद्यालय के प्रशिक्षण कार्यक्रम के पात्र विषयों तथा अभिमुखीकरण को शॉर्टलिस्ट किया गया है। एक प्रशिक्षु वैज्ञानिक अधिकारी (टीएसओ) जिसे प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर न्यूनतम 50% कुँल अंक प्राप्त होते हैं उन्हें पाठ्क्रम के सफल समापनकर्ता घोषित किया जाएगा। सफल टीएसओ को निम्नलिखित में से पऊवि की किसी एक यूनिट में वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाएगा:

ए) भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी), मुंबई*, बी) इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आईजीसीएआर), कल्पाक्कम, सी) राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र (आरआरसीएटी), इंदौर, डी) परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रोन केंद्र (वीईसीसी) कोलकाता, ई) भारी पानी बोर्ड (एचडब्ल्यूबी), मुंबई*, एफ) नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र (एनएफसी), हैदराबाद*, जी) विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड (ब्रिट), मुंबई* एच) न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन आफ इंडिया लि. (एनपीसीआईएल), मुंबई*, आई) भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लि. (भाविनी), कल्पाक्कम, जे) परमाणु खनिज् अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी), हैदराबाद*, के) यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि. (यूसीआईएल), जादुगुडा*, एल) निर्माण, सेवा एवं संपदा प्रबंधन निदेशालय, डीसीएसएंडईएम्), मुंबई *

*इन इकाइयों के मुख्यालय उनके नामांकित स्थानों पर हैं, नियुक्तियों इन यूनिटों के मुख्यालय अथवा भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित इनकी अन्य सुविधाओं में की जा सकती हैं ।

पऊर्वि की एक यूनिट को एक सफल ओसीईएस टीएसओ का आबंटन पऊर्वि कार्यक्रमों की आवश्यकताओं तथा ओसीईएस कार्यक्रम में टीएसओं के प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। पुऊवि के पास टीएसओं को अपने किसी भी अन्य यूनिट अथवा परमाणु ऊर्जा

नियामक बोर्ड (एईआरबी) में भी नियुक्ति करने का अधिकार सुरक्षित है। प्रशिक्षण विद्यालय में कोर्स कार्य में एक निर्दिष्ट सीमा से ऊपर प्रदर्शन करने वाले टीएसओ पोस्ट ग्रैज्युएट डिप्लोमा के लिए पात्र होंगे अथवा उन्हें मानद विश्वविद्यालय, होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान्(एचबीएनआई) के एम.टेक/एम.फिल/पीएच.डी कार्यक्रम के लिए क्रेडिट प्राप्त होगा।

2. वर्ष 2024-2025 (डीजीएफएस-2024) के लिए इंजीनियरिंग स्नातकों के लिए दो-वर्षीय पऊवि ग्रेजुएट फेलोशिप योजना। इस योजना के अंतर्गत इंजीनियरिंग स्नातक जिन्होंने पऊवि भापअ केंद्र प्रशिक्षण विद्यालय कार्यक्रम के लिए चयन साक्षात्कार में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और जिन्होंने तालिका-3 में शॉर्टलिस्ट अनुसार डीजीएफएस संस्थानों और विशेषज्ञताओं में एम.टेक के लिए स्वतंत्र रूप से प्रवेश सुनिश्चित कर लिया है, उन्हें पऊवि में रोज़्गार बरकरार रखते हुए एम.टेक. डिग्री को पूरा करने के लिए ट्यूशन शुल्क तथा वृत्तिका यानि स्टाइपेंड दिया जाता है। डीजीएफएस संस्थान में एक वर्ष के कोर्स कार्य के सफल समापन के बाद अध्येता को परियोजना कार्य करना होता है जो पऊवि द्वारा सौंपा जाता है तथा इसका निरीक्षण पऊवि गाइड और डीजीएफएस संस्थान गाइड द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है। एम.टेक के सफल समापन के बाद उन्हें पऊवि में वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है। कार्यभार संभालने पर उन्हें सर्वप्रथम भापअ केंद्र प्रशिक्षण विद्यालय, मुंबई में चार महीने का **डीजीएफएस अध्येता के लिए अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम (ओसीडीएफ)** करना होता है। उनकी नियुक्ति भापअ केंद्र** और आईजीकार में की जाएगी । पऊवि यूनिट में डीजीएफएस अध्येता का आबंटन एम.टेक कार्यक्रम के प्रारंभ में किया जाता है।

** अध्येता की नियुक्ति, भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित भापअ केंद्र सुविधाओं में किसी एक में की जा सकती है।

चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण के बाद पऊवि में कम् से कम् तीन वर्ष अध्येता सेवा प्रदान करने हेतु एक निजी क्षतिपूर्ति बंधपत्र (पर्सनल् इंडेम्निटी बाण्ड) तथा एक करार निष्पादित करना होता है। ओसीईएस अभ्यर्थी के लिए क्षतिपूर्ति बंधपत्र में ओसीईएस टीएसओ को भुगतान की गई वृत्तिका एवं पुस्तक भत्ता समाहित होगा। डीजीएफएस अभ्यर्थी के लिए क्षतिपूर्ति बांड# में स्टाईपेंड, डीजीएफएस संस्थान को भुगतान की गई ट्यूशन शुल्क और आकस्मिकता अनुदान के साथ-साथ बीआरएनएस फास्ट ट्रैक प्रोजेक्ट योजना के तहत एम.टेक. परियोजना के लिए आवश्यक उपकरण/उपभोज्य सामग्रियों की खरीद के लिए रु.4,00,000 की अतिरिक्त धनराशि शामिल होगी जो, वास्तविक व्यय के आधार पर होगी। किसी तीसरे पक्ष की प्रतिभूति (श्योरिटी) की आवश्यकता नहीं है ।

डीजीएफएस संस्थान में एम.टेक करने वाले डीजीएफएस अध्येताओं के लिए वास्तविक बंधपत्र राशि अलग हो सकती है जो कि संबंधित संस्थान

प्रशिक्षण के दौरान: (i) स्टाइपेंड एवं भत्ते: ओसीईएस टीएसओ तथा डीजीएफएस प्रशिक्षु को उनकी प्रशिक्षण अविध के दौरान रु.55,000/- प्रति माह का स्टाइपेंड (वृत्तिका) दी जाती है। इसके अतिरिक्त, ओसीईएस टीएसओ को एकमुश्त पुस्तक भत्ता रुपये 18,000/- दिया जाता है। (ii) डीजीएफएस अध्येताओं को एम.टेक. कार्यक्रम के लिए ट्यूशन शुल्क की प्रतिपूर्ति की जाती है तथा इसके अतिरिक्त उन्हें दो वर्षों के लिए एम.टेक प्रोजेक्ट से संबंधित खर्च के लिए रुपये 40,000/- प्रति वर्ष का एकमुश्त आकस्मिकता अनुदान दिया जाता है। (iii) प्रशिक्षण के दौरान पऊवि अथवा डीजीएफएस संस्थान के छात्रावास में क्रमश: बोर्डिंग तथा लाजिंग अनिवार्य है।

सभी इकाइयों में नियुक्तियां, 7वें सीपीसी वेतन मैट्रिक्स के लेवल 10–रु.56,000/- पर भारत सरकार के ग्रुप-ए सेवा में एक वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में की जाएगी। नियुक्तियां, वेतनमान के आरंभिक स्तर पर होंगी और ओसीईएस टीएसओ को ओसीईएस कार्यक्रम के दौरान उनके प्रदर्शन के आधार पर दो या तीन वेतनवृद्धियां दी जाएंगी तथा डीजीएफएस अध्येताओं को चार-माह ओसीडीएफ तथा एम.टेक में उनके प्रदर्शन के आधार पर तीन अथवा चार वेतनवृद्धियां*** दी जाएंगी। कार्यभार संभालने के समय कुल मासिक परिलब्धियों में (तीन वेतनवृद्धियां सहित) मुंबई की दरों के हिसाब से महंगाई भूता, मकान किराया भत्ता और यात्रा भत्ता के तौर पर लगभग रु.1,20,000/- की राशि शामिल होगी। इसके अतिरिक्त, अन्य भत्ते जैसे कि छुट्टी यात्रा रियायत (वायुयान द्वारा) आठ वर्षों तक प्रत्येक वर्ष (शर्तों के अधीन) तथा उसके बाद दो वर्षों में एक बार दिया जाएगा। बच्चों का शिक्षण भत्ता और वार्षिक व्यावासायिक अद्यतन भत्ता एवं सरकारी मानदंडों के अनुसार कार्य निष्पादन संबंधी प्रोत्साहन योजना (प्रिस) लाभ भी अनुमोदन के अधीन एवं समय-समय पर यथासंशोधित, देय होगा । कर्मचारियों और उनके आश्रित परिजनों के लिए एक संपूर्ण अंशदायी स्वास्थ्य सेवा योजना भी उपलब्ध है।

** डीजीएफएस अभ्यर्थी जिनका एम.टेक तथा ओसीडीएफ कार्यक्रमों में प्रदर्शन निर्धारित मानक सीमा से नीचे होगा, उन्हें कोई वेतनवृद्धि नहीं दी जाएगी।

ओसीईएस/डीजीएफएस-2024 में चयन की दो-चरण प्रक्रिया है : शॉर्टलिस्ट करने के लिए अभ्यर्थियों की **स्क्रीनिंग** होगी। तत्पश्चात शॉर्टलिस्ट

किए गए अभ्यर्थियों का **चयन साक्षात्कार** होगा।

तालिका-1 में शॉर्टलिस्ट प्रत्येक ओसीईएस स्क्रीनिंग विषय के लिए एक अलग चयन प्रक्रिया है। तालिका-1 में प्रत्येक ओसीईएस/डीजीएफएस स्क्रीनिंग विषय की पात्र अर्हकता डिग्री को दर्शाया गया है और साथ ही, विभिन्न

ओसीईएस स्क्रीनिंग विषयों के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध प्रशिक्षण योजनाओं का भी उल्लेख किया गया है। विकिरण संरक्षा एवं पर्यावरणीय विज्ञान (आरएसईएस) एक अतिरिक्त प्रशिक्षण योजना विकल्प है जो भौतिकी और रसायन विज्ञान ओसीईएस विषयों (कोड 41 और 42) के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध है।

चयन साक्षात्कार के लिए स्क्रीनिंग दो वैकल्पिक चैनलों के माध्यम से की जाएगी

(a) ऑनलाइन स्क्रीनिंग परीक्षाः यह भारत के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित 40 से अधिक शहरों में **आठ** इंजीनियरिंग ओसीईएस विषयों (कोड 21: 28) और **चार** विज्ञान ओसीईएस विषयों (कोड 41-43 और 45) में आयोजित की जाएगी। ओसीईएस/डीजीएफएस-2024 के लिए ऑनलाइन स्क्रीनिंग परीक्षा मार्च 2024 में आयोजित की जाएगी। इसमें उपस्थित होने के लिए, आने-जाने हेतु कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा ।

(b) ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) स्कोरः अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग गेट-2022, गेट-2023 या गेट-2024 स्कोर के आधार पर

चयन साक्षात्कारों में स्क्रीनिंग के लिए गेट के कट-ऑफ स्कोर का निर्धारण ऑनलाइन परीक्षा के समाप्त होने के बाद ही किया जाएगा और इसलिए अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे चयन साक्षात्कार चरण में स्क्रीनिंग की अपनी संभावनाओं को बढाने के लिए उपरोक्त निर्दिष्ट <u>दोनों स्क्रीनिंग विकल्पों</u> (अर्थात, भापअ केंद्र ऑनलाइन परीक्षा और गेट) का अधिकतम लाभ उठाएं। सीईबीएस, मुंबई और नाइज़र, भुवनेश्वर से मूलभूत विज्ञान विषयों (जैव विज्ञान, भौतिकी और रसायन विज्ञान) में शिक्षा पूरी करने वाले स्नातकोत्तर अभ्यर्थियों के लिए एक अतिरिक्त स्क्रीनिंग विकल्प उपलब्ध है।

मुंबई विश्वविद्यालय-परमाणु ऊर्जा विभाग मौलिक विज्ञान उत्कृष्टता केंद्र (युएम-पुऊवि सीईबीएस) और राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाइज़र), भुवनेश्वर से शैक्षणिक वर्ष 2022-2023/2023-2024 में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करने वाले/अध्ययन कर रहे छात्र जिनका क्यूम्यूलेटिव ग्रेड पाइंट एवरेज (CGPA) 10 के स्केल पर 7.5 या उससे अधिक है, उनका चयन साक्षात्कार के चरण में सीधी स्क्रिनिंग होगी. बशर्ते वे ओसीईएस/डीजीएफएस-2024 कार्यक्रम की अन्य सभी पात्रता आवश्यकताओं को पूरा करते हों। यह ध्यान दें कि सीजीपीए के आधार पर स्क्रीन-इन पाने के इस विकल्प का प्रयोग केवल एक बार किया जा सकता है। ऐसे अभ्यर्थियों को पहले ऑनलाइन आवेदन पोर्टल पर ओसीईएस/डीजीएफएस-2024 कार्यक्रम के लिए अपना आवेदन प्रस्तुत करना चाहिए और बाद में अपने संस्थान के निदेशक के माध्यम से अपना विवरण भेजना चाहिए।

भ-विज्ञान को छोड़कर, अन्य सभी विषयों में शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों के **चयन साक्षात्कार** भापअ केंद्र प्रशिक्षण विद्यालय, मंबई में ्र आयोजित किए जाएंगे। भ-विज्ञान विषय में साक्षात्कार हैदराबाद में आयोजित किए जाएंगे। साक्षात्कार के लिए बाहर से आने वाले आवेदकों को लघुतम मार्ग से आने-जाने का एसी-3 टियर सामान्य रेल किराया या वास्तविक किराया, जो भी कम हो, दिया जाएगा। चयन साक्षात्कार अनंतिम रूप से मई-जून, 2024 में आयोजित किए जाएंगे । चयन साक्षात्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों की सूची अप्रैल, 2024 में ऑनलाइन एप्लीकेशन पोर्टल पर प्रदर्शित कर दी जाएगी । शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थी अप्रैल, 2024 के तीसरे सप्ताह में ऑनलाइन आवेदन पोर्टल पर उपलब्धता के आधार पर, एक साक्षात्कार स्लॉट का चयन कर सकेंगे। **अंतिम चयन, केवल चयन साक्षात्कार में प्रदर्शन के आधार पर ही** किया जाएगा. जो मेडिकल फिटनेस के अधीन होगा ।

अन्य अवसरः ओसीईएस/डीजीएफएस-2024 के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान (आईपीआर) में सीधी भर्ती के लिए विचार किया जा सकता है। ऐसे अभ्यर्थी सेवा में आमेलन करने पर, आईपीआर के वैतनिक मानकों और निबंधनों एवं सेवा शर्तों द्वारा शासित होंगे।

ओसीईएस-2024: इंजीनियरिंग स्नातकों और विज्ञान स्नातकोत्तर (ओसीईएस) के लिए अगस्त, 2024 से प्रारंभ होने वाला एक वर्षीय अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम (ओरिएंटेशन कोर्स) भापअ केंद्र, मुंबई और एएमडी, हैदराबाद स्थित भापअ केंद्र प्रशिक्षण विद्यालयों में संचालित किया जाएगा। ओसीईएस कार्यक्रम के सफल समापन पर, प्रशिक्षु वैज्ञानिक अधिकारियों (टीएसओ) को परमाणु ऊर्जा विभाग की किसी एक यूनिट या परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड में वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में

डीजीएफएस-2024: इंजीनियरिंग स्नातकों के लिए डीजीएफएस-पऊवि ग्रेज्युएट फेलोशिप स्कीम संस्थानों पर चुनिंदा विशेषज्ञताओं (तालिका-3) में जुलाई 2024 में प्रारंभ होने वाला एम.टेक में प्रवेश के लिए दो वर्षीय पऊवि स्नातक अध्येतावृत्ति योजना (डीजीएफएस)।

डीजीएफएस कार्यक्रम के सफल समापन पर, डीजीएफएस अध्येताओं की नियुक्ति या तो भापअ केंद्र या आईजीकार में की

ओसीईएस और डीजीएफएस कार्यक्रम उच्चतम पदशीर्षता तक पहुंचने की संभावनाओं सहित आकर्षक कैरियर उन्नति के **अवसर प्रदान करते हैं।** भापअ केंद्र प्रशिक्षण विद्यालय में एक निश्चित सीमा से अधिक प्रदर्शन करने वाले ओसीईएस टीएसओ मानद विश्वविद्यालय, होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान (एचबीएनआई) के स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए पात्र होंगे और उन्हें एचबीएनआई के एम.टेक/पीएच.डी कार्यक्रमों हेतु क्रेडिट भी प्राप्त होगा। डीजीएफएस अध्येता को पऊवि में शामिल होने के बाद एचबीएनआई के माध्यम से पीएच.डी करने के लिए उनके कैरियर के दौरान बाद में किसी समय अवसर प्राप्त हो सकता है।

पऊवि एक ऐसा कार्यबल तैयार करने के लिए प्रयासरत है जिसमें लैंगिक आधार पर संतुलन प्रतिबिंबित हो और महिला अभ्यर्थियों को आवेदन हेतु प्रोत्साहित किया जाता है।

- A. ओसीईएस/डीजीएफएस-2024 के लिए अर्हकता डिग्रियाँ और अन्य शैक्षणिक अपेक्षाएँ: जिन अभ्यर्थियों की अर्हकता डिग्री नाम में किसी विशेषज्ञता के साथ मुख्य डिग्री का नाम शामिल है, वे ओसीईएस/डीजीएफएस-2024 कार्यक्रम के लिए भी पात्र हैं। उन डिग्रियों के नाम भी देखें जो नीचे बताए अनुसार ओसीईएस/डीजीएफएस कार्यक्रम के लिए पात्र नहीं हैं ।
- a) इंजीनियरिंग विषयों के लिए (ओसीईएस परीक्षा कोड 21-28): तालिका-1 में उल्लिखित इंजीनियरिंग अर्हकता डिग्री में से कोई **एक में बीई/बी.टेक./बी.एससी. (इंजीनियरिंग)/ 5-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.टेक** डिग्री होनी चाहिए **।** पात्र अभ्यर्थियों के पास अर्हकता डिग्री में न्यूनतम 60%* कुल अंक होने चाहिए। गेट स्कोर के आधार पर विचार करने का विकल्प चुनने वाले आवेदकों के पास अर्हकता डिग्री विषय के समान इंजीनियरिंग विषय में **गेट-2022, गेट-2023 या गेट-2024 स्कोर** होना चाहिए। **जिनके पास इन शाखाओं में अर्हकता डिग्री है जैसे**, एयरोस्पेस इंजी., ऑटोमोबाइल इंजी., ऑटोमोटिव इंजी., एरोनाटिकल इंजीनियरिंग, इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन इंजीनियरिंग, मैन्यूफैक्चरिंग इंजीनियरिंग, माइनिंग मशीनरी इंजीनियरिंग, औद्योगिक मेटलर्जी इंजीनियरिंग, रिलायबिलिटी इंजीनियरिंग, सिरेमिक इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग, जिओलाजी इंजीनियरिंग, माइनिंग इंजीनियरिंग, मैराइन इंजीनियरिंग, बायो-मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स/इंस्ट्रमेंट्स इंजीनियरिंग, कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इन्फोर्मेशन टेक्नालाजी, मेक्ट्रोनिक्स, डाईस एंड डाई इंटरमीडिएट, इलेक्ट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग, एनर्जी सिस्टम्स, आइल्स एंड फैट, पेंट एंड वार्निश इंजीनियरिंग, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग, प्लास्टिक, पेपर इंजीनियरिंग, सुगर टेक्नालाजी, टेक्सटाइल इंजीनियरिंग, कंट्रोल इंजीनियरिंग, पावर इंजीनियरिंग, पावर प्लाट इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर इंजीनियरिंग, इन्फोर्मेशन साइन्स/टेक्नालॉजी, बायोमेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, बायोमेडिकल इंस्ट्रमेंटेशन इंजीनियरिंग, केमिकल साइंस एंड टेक्नोलॉर्जी, केमिकल टेक्नोलॉर्जी, एनर्जी इंजीनियरिंग, एन्वीरानमेन्टल साइन्स इंजीनियरिंग, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, बॉयोटेक्नोलॉर्जी एंड बॉयोकेमिकल, सीएडी, सीएएम में एमई, कंप्यूटर साइन्स में एम. एससी, मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन, कंप्यूटर साइन्स में बी.एससी., केमिकल इंजीनियरिंग में बीएस, इंलेक्ट्रिकल एवं कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बीएसएमएस, इलेक्ट्रॉनिक्स आर्दि में बीएसएमएस प्रोग्राम, पात्र नहीं
- **b) भौतिकी विषय के लिए (ओसीईएस परीक्षा कोड 41)**: भौतिकी / अनुप्रयुक्त भौतिकी / परमाणु भौतिकी / ठोस अवस्था भौतिकी , संघनित पदार्थ भौतिकी / परमाणु एवं आणुविक भौतिकी / कण एवं उच्च ऊर्जा भौतिकी // नैनो साइन्स टेक्नालॉजी/ खगोल विज्ञान में एम.एससी. या 5-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.एससी. की डिग्री होनी चाहिए (एवं साथ में भौतिकी और गणित बीएससी में या 5-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.एससी, मामले में अनुषंगिक और/या सहायक स्तर पर होने चाहिए) या इंजीनियरिंग भौतिकी में बीई/बी.टेक / 5-वर्षीय इंटीग्रेटेड **एम.टेक** डिग्री होनी चाहिए । पात्र अभ्यर्थियों के पास अर्हकता डिग्री में न्यूनतम 60%* कुल अंक होने चाहिए। एमएससी अभ्यर्थियों (5-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.एससी. डिग्री के साथ आवेदन करने वालों के अलावा) के पास बी.एससी. में न्यूनतम 60%* कुल अंक होने चाहिए। गेट स्कोर के आधार पर विचार किए जाने का विकल्प चुनने वाले भौतिकी स्नातकोत्तर आवेदकों के पास 'भौतिकी' में **गेट-2022, गेट-2023 या गेट-2024 स्कोर** होना चाहिए। जिन आवेदकों के पास बीई/बीटेक (इंजीनियरिंग भौतिकी) है अर्हकता डिग्री के रूप में 'भौतिकी' या 'इंजीनियरिंग विज्ञान' में **गेट**-2022, गेट-2023 या गेट-2024 स्कोर के आधार पर आवेदन किया जा सकता है। जिनके पास मेडिकल फिजिक्स, केमिकल फिजिक्स, जियोफिजिक्स, एम.टेक. में भौतिकी (नैनोमटेरियल्स और नैनोटेक्नोलॉजी) आदि है, वे पात्र नहीं हैं ।
- c) <mark>रसायन विज्ञान विषय के लिए (ओसीईएस परीक्षा कोड 42):</mark> रसायन विज्ञान, फिजिकल रसायन विज्ञान, ऑर्गेनिक रसायन विज्ञान, इनऑर्गेनिक रसायन विज्ञान और एनालिटिकल रसायन विज्ञान में एम.एससी. या 5-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.एससी. की डिग्री होनी चाहिए जिसमें भौतिकी बी.एससी. तक/ 5-वर्ष के इंटीग्रेटेड रसायन विज्ञान के मामले में अनुषंगिक एवं / सहायक स्तर तक भौतिकी विषय होना चाहिए। गणित विषय 12वीं कक्षा या बी.एससी. में / 5 वर्ष के इंटिग्रेटेड एम.एस.सी के मॉमले अनुषंगी एवं/ अथवा सहायक स्तर पर गणित विषय होना चाहिए। एम.एससी में न्यूनतम कुल 60%* अंक होने चाहिए। एमएससी अभ्यर्थियों (5-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.एससी. डिग्री के साथ आवेदन करने वालों के अलावा) के पास बी.एससी. में न्यूनतम 60%* कुल अंक होने चाहिए। गेट स्कोर के आधार पर विचार करने का विकल्प चुनने वाले आवेदकों के पास ' रसायन विज्ञान में गेट-2022, गेट-2023 या गेट-2024 स्कोर होना चाहिए। जिनके पास विषय जैसे नैनोसाइंस/नैनोटेक्नोलॉजी रसायन विज्ञान , इंडस्ट्रियल रसायन विज्ञान , एप्लाइड रसायन विज्ञान , टेक्सटाइल रसायन विज्ञान, पर्यावरणीय रसायन विज्ञान, पेट्रोलियम रसायन विज्ञान, नैनोसाइंस, नैनोटेक्नोलॉजी, फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान, केमिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, नेचुरल साइंस, रसायन विज्ञान (एप्लाइड रसायन विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ), में विशेषज्ञता के साथ एम.एससी है । फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान में एम. एससी, फार्मास्युटिकल एनालिसिस में एम. फार्म आदि वाले अभ्यर्थी पात्र नहीं
- a) **बायोसाइंसेज विषय के लिए (ओसीईएस परीक्षा कोड 43)**: कृषि, जैव रसायन, सूक्ष्म जीव विज्ञान, आणविक जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, जेनेटिक्स, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, पादप विज्ञान, पादप प्रजनन, पादप रोग विज्ञान, कीट विज्ञान, खाद्य प्रौद्योगिकी, खाद्य विज्ञान, पशु विज्ञान, जीवन विज्ञान, जैव चिकित्सा विज्ञान, जैव सूचना विज्ञान / कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान में एम.एससी. या 5-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.एससी. और बायोसाइंसेज में बीएसएमएस की डिग्री होनी चोहिए (एवं साथ में पात्र अभ्यर्थियों के पास न्यूनतम 60%* कुल अंकों के साथ एम.एससी. साथ ही बी.एससी. में होना चाहिए) या बी.ई. / बीटेक / बी.एससी. (टेक.) केवल खाद्य प्रौद्योगिकी में न्यूनतम 60%* कुल अंकों के साथ होना चाहिए। एक विषय के रूप में भौतिकी या रसायन विज्ञान या जैव रसायन या कृषि रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय बीएससी में/ 5-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.एससी. के मामले में अनुषंगिक और/या सहायक स्तर पर होना चाहिए। गेट स्कोर के आधार पर विकल्प चुनने वाले आवेदकों के पास 'लाइफ साइंस' या 'जैव प्रौद्योगिकी' में गेट-2022, गेट-2023 या गेट-2024 स्कोर होना चाहिए। **जिन अभ्यर्थियों ने** मत्स्य पालन, बागवानी, वानिकी, कृषि विज्ञान, पशुपालन, समुद्री जीव विज्ञान, जैव-विश्लेषणात्मक विज्ञान, होम साइंस, पादप आणितक जीवित्रान और जैव प्रौद्योगिकी, पोषण जीवित्रान, पर्यावरण विज्ञान, जैव-विश्लेषणात्मक विज्ञान, बायोफिज़िक्स और आणितक जीवित्रान में विशेषज्ञता के साथ एम.एससी. की डिग्री हासिल की है, कृषि में विशेषज्ञता के साथ, पर्यावरण विज्ञान, जलवायु विज्ञान, विषाणु विज्ञान, कृषि कीट विज्ञान जैसे विषयों आदि और बी.ई. / बीटेक / बी.एससी. (इंजीनियरिंग). बायोटेक्नोलॉजी, जेनेटिक इंजीनियरिंग, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, फूड प्रोसेस इंजीनियरिंग, जैव प्रौद्योगिकी में बी.एससी., खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एम.टेक आदि वाले अभ्यर्थी पात्र नहीं हैं।
- **) भृविज्ञान विषय के लिए (कोड 45):** भूवैज्ञानिक प्रौद्योगिकी में 5 या 6-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.टेक, भूविज्ञान, अनुप्रयुक्त भूविज्ञान, अनुप्रयुक्त भुरसायन विज्ञान में एम.एससी. या समकक्ष एम.टेक. एवं साथ में भूविज्ञान बी.एससी. में / 5 या 6-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.टेक, के मामले में सहायक और/या अनुषंगी स्तर में होना चाहिए । पात्र अभ्यर्थियों के पास बीएससी तक गणित, भौतिकी और रसायन विज्ञान में से दो विषय के मामले में सहायक और/या अनुषंगी स्तर में होना चाहिए। पात्र अभ्यर्थियों के 60%* कुल अंकों के साथ **अर्हकता डिग्री** एवं बी.एससी. में उत्तीर्ण होना चाहिए। इसके साथ, पात्र अभ्यर्थियों को 12वीं कक्षा गणित विषय के साथ उत्तीर्ण होनी चाहिए। गेट स्कोर के आधार पर विकल्प चुनने वाले सभी आवेदकों के पास **'भविज्ञान और भुभौतिकी'** में गेट-2022, गेट-2023 या गेट-2024 स्कोर होना चाहिए। जिन अभ्यर्थियों ने भूविज्ञान, माइनिंग इंजीनियरिंग में बी.ट्रेक, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस में विशेषज्ञता के साथ भू-सूचना विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान में एम.एससी. की डिग्री हासिल की है भूविज्ञान/भूवैज्ञानिक प्रौद्योगिकी आदि में बीटेक वाले अभ्यर्थी पात्र नहीं हैं।
- n रेडियोलॉजिकल संरक्षा और पर्यावरण विज्ञान (आरएसईएस) के लिए: आरएसईएस एक् अतिरिक्त प्रशिक्षण योजना विकल्प है जो भौतिकी और रसायन विज्ञान ओसीईएस विषयों (ओसीईएस स्क्रीनिंग विषय कोड 41 और 42) के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध है और इसलिए आरएसईएस के लिए अलग स्क्रीनिंग परीक्षा या चयन साक्षात्कार नहीं होगा।
- g)केवल नियमित एम.एससी. डिग्री वाले पात्र हैं जिनके पास एम.एससी. (अनुसंधान द्वारा), एम.एससी. (दूरस्थ शिक्षा), एमएससी (अंशकालिक) है ऐसे अभ्यर्थी पात्र नहीं हैं। संबंधित विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार न्यूनतम 60% अंक (या 10.0 या समकक्ष के पैमाने पर न्यूनतम 6.0 सीजीपीए)।
- **в. डीजीएफएस में प्रवेश:** 21-28 विषयों में अर्हकता डिग्री रखने वाले अभ्यर्थी (जैसा कि तालिका 1 में शॉर्टलिस्ट है) और जो ऊपर शॉर्टलिस्ट संबंधित पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं, वे डीजीएफएस के लिए आवेदन करने के पात्र हैं, बशर्ते कि वे शैक्षणिक वर्ष 2024, **डीजीएफएस** संस्थानों में और तालिका-3 में सुचीबद्ध विशेषज्ञताओं में एम.टेक. के लिए प्रवेश सुरक्षित कर लें। । एम.टेक में प्रवेश की पृष्टि की सुचना ओसीईएस-2024 चयन सूची की घोषणा के बाद दी जानी चाहिए। **ओसीईएस के लिए चयन के साथ-साथ डीजीएफएस संस्थानों में से** किसी एक में वैध एम.टेक विशेषज्ञताओं में से किसी एक में प्रवेश सुरक्षित करना, अभ्यर्थी को डीजीएफएस कार्यक्रम के लिए पात्र बनाती है और डीजीएफएस फैलोशिप पऊवि कार्यक्रमों की आवश्यकताओं के अनुसार और चयन साक्षात्कार में प्रदर्शन के अनुसार केवल सबसे मेधावी अभ्यर्थियों को प्रदान की जाएगी।
- **c. अधिकतम आयु सीमा** (1 अगस्त, 2024 को आयु) ए) सामान्य श्रेणी 26 वर्ष, बी) ओबीसी (नॉन क्रीमी लेयर) -29 वर्ष, सी) एससी/एसटी -31 वर्ष, डी) 1984 के दंगों में मरने वालों के आश्रित (डीईपी 1984) -31 वर्ष, डी) 01/01/1980 से 31/12/1989 (कश्मीर अधिवासी) तक जम्मू और कश्मीर राज्य के कश्मीर संभाग में रहने वाले व्यक्ति -31 वर्ष। 40% या अधिक विकलांगता सीमा वाली शारीरिक विकलांगता वाले व्यक्ति को आयु में छूट के लिए विचार किया जाएगा और उसे एक स्क्राइब की अनुमति दी जा सकती है।

न्यूनतम आयु सीमा (1 अगस्त, 2024 को आयु): 18 वर्ष

D. राष्ट्रीयता: आवेदक अनिवार्य रूप से भारत का एक नागरिक होना चाहिए।

E. केंद्र/राज्य/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/सहायताप्राप्त संस्थानों में कार्यरत आवेदकों को चयन साक्षात्कार के समय अपने संगठन से एक अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) प्रस्तुत करना होगा, अन्यथा उन्हें साक्षात्कार का अवसर नहीं दिया जाएगा।

F. आवेदन शुल्कः सामान्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के पुरुष आवेदकों से रु. 500 अप्रतिदेय आवेदन शुल्क लिया जाएगा। महिला अभ्यर्थियों, अजा/अजजा से संबंधित अभ्यर्थियों, युद्ध के दौरान मारे गए रक्षा कर्मियों के आरक्षित परिजनों (डीओडीपीकेआईए) तथा दिव्यांगजनों को छूट दी गई है और उनसे आवेदन शुल्क नहीं लिया जाएगा।

अकादिमक वर्ष 2024-25 में स्नातक होने जा रहे तथा अंतिम परीक्षा परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं। यदि वे अभ्यर्थी चयनित होते हैं जो अन्य सभी दृष्टि से पात्र हैं लेकिन अपने अंतिम परीक्षा परिणामों की प्रतीक्षा कर रहे हैं तो ऐसे अभ्यीर्थियों को पाठ्यक्रम आरंभ करने की अनुमित दी जाएगी। हालांकि, ओसीईएस अथवा डीजीएफएस में इन अभ्यर्थियों को बरकरार तभी रखा जाएगा जब उनके अपने अंतिम परीक्षा परिणाम की अंकतालिका, ओसीईएस/ डीजीएफएस कार्यक्रमों की पात्रता आवश्यकताओं की पूर्ति अनुसार होगी तथा ओसीईएस टीएसओ के मामले में ये दिनांक 31 दिसंबर, 2024 तक जमा कर दी जानी चाहिए एवं डीजीएफएस अध्येताओं के मामले में संबंधित डीजीएफएस संस्थान की आवश्यकता अनुसार जमा की जानी चाहिए। यह भी नोट किया जाए कि अईक डिग्री प्रदान करने के लिए सभी शैक्षणिक आवश्यकताओं को 31 जुलाई 2024 से पहले पूरा कर लिया जाना चाहिए। जिन अभ्यर्थियों के अंतिम परिणाम की प्रतीक्षा की जा रही है, उन्हें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में शामिल होने की तारीख को अईक डिग्री प्रदान करने के लिए अपनी शैक्षणिक आवश्यकताओं के पूरा होने के बारे में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र लाना होगा।

आवेदन कैसे करें-

अभ्यर्थियों को महत्वपूर्ण अपडेट्स हेतु तालिका में निर्धारित अविध के दौरान वेबसाइट http://www.barcocesexam.in का अवलोकन करना होगा और इसमें निर्दिष्ट अनुदेशों के अनुसार ऑनलाइन आवेदन जमा करने होंगे। अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे आवेदन करने से पूर्व "इंफोर्मेशन ब्राउशर" का समुचित अध्ययन कर लें।

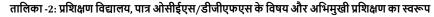
तालिका 1: विभिन्न ओसीईएस/डीजीएफएस स्क्रीनिंग विषय एवं लागू प्रशिक्षण योजना के लिए पात्र अर्हकता डिग्री का विवरण ।

ओसीईएस /डीजीएफ एस स्क्रीनिंग विषय कोड	ओसीईएस/ डीजीएफएस स्क्रीनिंग विषय	पात्र अर्हक डिग्री का विवरण (जिन अभ्यर्थियों की अर्हक डिग्री के नाम में किसी विशेषज्ञता के साथ मुख्य डिग्री का नाम शामिल है, वे भी ओसीईएस/डीजीएफएस-2024 पाठ्यक्रम के लिए पात्र हैं। उन डिग्रियों के नाम भी देखें जो ओसीईएस/डीजीएफएस पाठ्यक्रम के लिए पात्र नहीं हैं)	(गेट पेपर कोड)	भापअ केंद्र टीएस की प्रशिक्षण योजना
(21)	मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एमई)	मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.ई. / बी.टेक/ बी. एससी (इंजीनियरिंग)/ 5- वर्षीय इंटीग्रेटेडएम.टेक	मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एमई)	मैकेनिकल
(22)	केमिकल इंजीनियरिंग (सीएच)	केमिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रो-केमिकल इंजीनियरिंग में बी.ई. / बी. टेक/ बी.एससी (इंजीनियरिंग)/ 5- वर्षीय इंटीग्रेटेडएम.टेक	केमिकल इंजीनियरिंग (सीएच)	केमिकल
(23)	मेटॅलर्जिकल इंजीनियरिंग (एमटी)	मेटॅलर्जी/ मेटॅलर्जिकल इंजीनियरिंग, मटेरियल इंजीनियरिंग, मेटॅलर्जी एंड मटेरियल इंजीनियरिंग, मेटॅलर्जी एंड मटेरियल साइंस, मेटॅलर्जिकल एंड मटेरियल इंजीनियरिंग, मेटॅलर्जिकल इंजीनियरिंग एंड मटेरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग में बी.ई. / बी. टेक/ बी.एससी (इंजीनियरिंग) / 5- वर्षीय इंटीग्रेटडाम्म टेक	मेटॅलर्जिकल इंजीनियरिंग (एमटी)	मेटॅलर्जी
(24)	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (ईई)	इलेक्ट्रिकले इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बी.ई. / बी. टेक /बी. एससी (इंजीनियरिंग)/ 5- वर्षीय इंटीग्रेटेड एम. टेक	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (ईई)	इलेक्ट्रिकल
(25)	इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग (ईसी)	इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिक्ल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम इंजीनियरिंग में बीई/बी.टेक/बी.एससी. (इंजीनियरिंग)/5-वर्षीय इंटीग्रेटेड एम. टेक	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्पूनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसी)	इलेक्ट्रॉनिक्स
(26)	कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग (सीएस)	कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में बी.ई./ बी. टेक/ बी. एससी (इंजीनियरिंग) / 5-वर्षीय इंटीग्रेटेडएम.टेक ।	कंप्यूटर साइंस एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलॉजी	कंप्यूटर साइंस
(27)	इन्स्डुमेंटेशन इंजीनियरिंग। (आईएन)	इंस्टूमेंटेशन इंजीनियरिंग, इंस्टूमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग, एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रमेंटेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रमेंटेशन इंजीनियरिंग में बी.ई/बी.टेक/बी.एससी. (इंजीनियरिंग)/ 5-वर्षीय इंटीग्रेटेडएम.टेक	जीएम इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग (आईएम)	इंस्ट्रुमेंटेशन
(28)	सिविल इंजीनियरिंग (सीई)	सिविल इंजीनियरिंग में बी.ई./ बी. टेक/ बी. एससी (इंजीनियरिंग)/ 5-वर्षीय इंटीग्रेटेडएम.टेक	सिविल इंजीनियरिंग	सिविल
(41)	भौतिकी विषय (पीएच)	भौतिकी /अनुप्रयुक्त भौतिकी/ नाभिकीय भौतिकी/ ठोस अवस्था भौतिकी/ संघनित पदार्थ भौतिकी/ परमाणु और आण्विक भौतिकी/ कण और उच्च ऊर्जा भौतिकी/ नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी/ खगोल विज्ञान/इंजीनियरिंग भौतिकी में एम. एससी. या इंटीग्रेटेड एम. एससी.	भौतिकी (पीएच)	भौतिकी अथव आरएसईएस
		इंजीनियरिंग भौतिकी में बीई/बी.टेक./ इंटीग्रेटेड एम.टेक	भौतिकी (पीएच) अथवा इंजीनियरिंग विज्ञान (एक्सई)	
(42)	रसायन विषय	रसायन विज्ञान, भौतिक रसायन विज्ञान, कार्बनिक रसायन विज्ञान, अकार्बेनिक रसायन विज्ञान और विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान में एम. एससी. या इंटीग्रेटेड एम. एससी.	रसायन विज्ञान (CY)	रसायन विज्ञान अथवा आरएसईएस
(43)	जैव विज्ञान विषय (बीएस)	जैव विज्ञान, लाइफ़ साइंस, कृषि, जैव रसायन, सूक्ष्म जीव विज्ञान, आण्विक जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, अनुवांशिकी, वनस्पति विज्ञान, प्राणीशास्त्र, पादप विज्ञान, पादप प्रजनन, पादप रोग विज्ञान, कीट विज्ञान, खाद्य विज्ञान, पशु विज्ञान, जैव चिकित्सा विज्ञान, खाद्य विज्ञान, खाद्य प्रौद्योगिकी, जैव सूचना एवं/ कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी में एम. एससी. या इंटीग्रेटेड एम. एससी. और जैव विज्ञान में बीएस-एमएस पाठ्यक्रम	लाइफ़ साइंस (एक्सएल) अथवा जैव प्रौद्योगिकी (बीटी)	जैव विज्ञान
(45)	भूविज्ञान विषय	खाद्य प्रौद्योगिकी में बी.ई./ बी. टेक/ बी. एससी (टेक.) भूविज्ञान, अनुप्रयुक्त भूविज्ञान, अनुप्रयुक्त भूरसायन विज्ञान में एमएससी अथवा समकक्ष एम.टेक. अथवा जियॉलॉजिकल प्रौद्योगिकी में 5 अथवा 6 वर्षीय इंटीग्रेटेडएम.टेक	भूविज्ञान एवं भूभौतिकी (जीजी)	भूविज्ञान शास्त्र

नोटः आरएसईएस-रेडियोलॉजिकल सेफ्टी एंड एन्वायर्नमेंटल साइंस। अभ्यर्थी केवल एक ही ओसीईएस स्क्रीनिंग विषय के लिए आवेदन कर सकते हैं।

"शक्तियों का प्रयोग करने वाले प्राधिकारी: ओसीईएस/डीजीएफएस-2024 भर्ती से संबंधित सभी मामलों में, भापअ केंद्र, मुंबई में सक्षम प्राधिकारी द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम होगा और आवेदकों पर बाध्यकारी होगा और वे पूर्ण रूप से इस निर्णय का पालन करेंगे। आवेदक मामले को प्रस्तुत करते समय सीधे न्यायालय नहीं जाएंगे और भापअ केंद्र में सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्णय लिए जाने तक प्रतीक्षा करेंगे।

ओसीईएस/डीजीएफएस-2024 भर्ती के संबंध में उत्पन्न होने वाले किसी भी दावे या विवाद के मामले में, ऐसी कार्यवाहियों, वाद, कार्रवाई या इससे संबंधित कार्यवाहियां मुंबई, भारत के न्यायालयों के विशेष अधिकार क्षेत्र के अधीन भारत गणराज्य के कानून के अनुसार शासित/चलाए जाएंगे।"



प्रशिक्षण विद्यालय	विषय (तालिका-1 देखें)	अभिमुखी प्रशिक्षण
भापअ केंद्र, मुंबई		• नाभिकीय रिएक्टरों का इंजीनियरिंग डिजाइन, विकास, प्रचालन एवं अनुरक्षण
(1957 से)	एवं 43	• मूल विज्ञान और इंजीनियरिंग के अग्रणी क्षेत्रों में अनुसंधान
एएमडी, हैदराबाद	45	• यूरेनियम एवं अन्य परमाणु खनिजों के लिए अन्वेषण तकनीक और संबंधित
(2010 से)	43	अनुसंधान एवं विकास गतिर्विधियाँ

तालिका-3: डीजीएफएस हेतु स्वीकार्य एम. टेक. विशेषज्ञता / पाठ्यक्रम और अर्हक डिग्री (विषय)

क्र.सं.	डीजीएफएस संस्थान में विभाग/ केंद्र का नाम	अर्हक डिग्री का विवरण # (विषय)	स्वीकार्य गेट विषय और गेट विषय कोड	डीजीएफए संस्थान**
1	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	मैकेनिकल इंजी. (एमई)	आईआईटी आईआईटीए
2	एप्लाइड मेकॅनिक्स	मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	मैकेनिकल इंजी. (एमई)	आईआईटीए
3	केमिकल इंजीनियरिंग	केमिकल इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रो-केमिकल इंजीनियरिंग में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	केमिकल इंजी (सीएच)	आईआईटीब आईआईटीए
4	मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग और मटेरियल साइंस (आईआईटीबी), मेटलर्जिकल और मटेरियल इंजीनियरिंग (आईआईटीएम)	मेटलर्जी/ मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग/ मटेरियल इंजीनियरिंग/ मेटलर्जिकल एंड मटेरियल इंजीनियरिंग/ मटेरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग/ मेटलर्जी एंड मटेरियल साइंस में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	मेटलर्जिकल इंजी. (एमटी)	आईआईटीढ आईआईटीए
5	भौतिक विज्ञान	मेटलर्जी / मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग/ मटेरियल इंजीनियरिंग/ मेटलर्जिकल एंड मटेरियल इंजीनियरिंग/ मटेरियल साइंस एवं इंजीनियरिंग। / मेटलर्जी एवं मटेरियल इंजीनियरिंग। / मेटलर्जी एवं मटेरियल साइंस में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	मेटलर्जिकल इंजी. (एमटी)	आईआईटीए
6	सिविल इंजीनियरिंग	सिविल इंजीनियरिंग में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	सिविल इंजी. (सीई)	आईआईटीब
7	इन्वायरॉन्मेंटल साइंस एंड इंजीनियरिंग	सिविल इंजीनियरिंग में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	सिविल इंजी. (सीई)	आईआईटीब
8	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग / इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग /इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/ इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग/ इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग/ इंस्ट्रुमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम इंजीनियरिंग में बीई/ बी.टेक. / बी.एससी. (इंजी.)	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (ईई) , इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसी) / इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग (आईएन)	आईआईटीब
9	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	हलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग/ इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग/ इंस्ट्रुमेंटेशन एंड कंट्रॉल इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम इंजीनियरिंग में बी.ई/ बी. टेक/ बी. एससी (इंजीनियरिंग)	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्पूनिकेशन इंजी. (ईसी)/ इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग (आईएन)	आईआईटीए
	सिस्टम एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग के लिए अंतःविषय वर्ग	इलेक्ट्रिकल/ इलेक्ट्रॉनिक्स/ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग/ इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग/ इंस्ट्रुमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम इंजी. में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	इलेक्ट्रिकल इंजी. (ईई)/इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसी)/ इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग (आईएन)	आईआईटीब
	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	कंप्यूटर विज्ञान/ कंप्यूटर इंजीनियरिंग/ कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी (सीएस)	आईआईटीब
12	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	कंप्यूटर विज्ञान/ कंप्यूटर इंजीनियरिंग/ कंप्यूटर विज्ञान एंड इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स/ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली कम्प्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम इंजीनियरिंग में बीई/ बी.टेक./ बी.एससी. (इंजीनियरिंग)	कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी (सीएस)/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसी)	आईआईटीप

जिन अभ्यर्थियों के अर्हक डिग्री नाम में किसी भी विशेषज्ञता के साथ कोर डिग्री नाम शामिल है, वे भी ओसीईएस/डीजीएफएस-2024 पाठ्यक्रम के लिए पात्र हैं। इसके अलावा, उन डिग्रियों के नामों का भी उल्लेख करें जो ओसीईएस/डीजीएफएस पाठ्यक्रम के लिए पात्र नहीं हैं।

**संस्थान जहां निर्धारित एम. टेक पाठ्यक्रम इस योजना के अंतर्गत प्रदान किए जाते हैं: आईआईटीबी = आईआईटी बॉम्बे, आईआईटीएम= आईआईटी मद्रास। डीजीएफएस योजना के अंतर्गत संस्थानों में प्रत्येक एम. टेक विशेषज्ञता में चयनित डीजीएफएस अध्येता की संख्या पऊवि की आवश्यकताओं पर आधारित होगी।

संबंधित एम.टेक विशेषज्ञता के लिए कृपया <u>https://www.barcocesexam.in</u> पर उपलब्ध सूचना ब्रोशर देखें।

महत्वपूर्ण तिथियां (सभी तिथियां अस्थायी हैं और आवेदक अद्यतन रहने के लिए ऑनलाइन एप्ली <u>https://www.barcocesexam.in</u> का नियमित अवलोकन करते रहें।	
ओसीईएस/डीजीएफएस 2024 हेतु ऑनलाइन एप्ली केशन पोर्टल का शुभारंभ	30 दिसंबर, 2023
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि	08 फरवरी, 2024
ऑनलाइन आवेदन हेतु संशोधन विंडो	16 से 18 फरवरी, 2024
ऑनलाइन परीक्षा	16 एवं 17 मार्च 2024
अभ्यर्थियों द्वारा उनके गेट – 2024 स्कोर अपलोड करने हेतु अंतिम तिथि	24 मार्च 2024
ऑनलाइन एप्लीकेशन पोर्टल पर साक्षात्कार के लिए शॉर्टलिस्ट अभ्यर्थियों की सूची का प्रदर्शन	अप्रैल २०२४ का प्रथम सप्ताथह
स्क्रीन्ड इन अभ्यर्थियों हेतु साक्षात्कार स्लॉट चयन हेतु ऑनलाइन एप्लीकेशन पोर्टल पर उपलब्धता के आधारपर विकल्प	अप्रैल 2024 का द्वितीय सप्ताह
चयन साक्षात्कार	14 मई से 14 जून 2024 तक
ओसीईएस-2024 के लिए अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों की सूची का ऑनलाइन एप्लीकेशन पोर्टल प प्रदर्शन	जून 2024 का अंतिम सप्ताह
चयनित ओसीईएस-2024 अभ्यर्थियों के लिए जो डीजीएफएस के इच्छुक हैं, उन्हें डीजीएफएस संस्थान में एम. टेक प्रवेश का विवरण देने हेतु अंतिम तिथि	जुलाई 2024 का द्वितीय सप्ताह
डीजीएफएस-2024 के लिए चयनित आवेदकों की सूची की ऑनलाइन एप्लीफकेशन पोर्टल पर घोषणा	जुलाई 2024 का तृतीय सप्ताह
चयनित अभ्यर्थियों के लिए चिकित्सा परीक्षण	जुलाई 2024 का अंतिम सप्ताह
ओसीईएस-2024 का प्रांरभ	अगस्त २०२४ का प्रथम सप्ताह



